शिक्षा मंत्री ब्रह्माकुमारीज़ के मुख्यालय शान्तिवन में शिक्षाविदों के महासम्मेलन के अवसर पर बोले...

भारत आध्यात्मिक आधार पर बनेगा विश्व की महाशक्ति: शिक्षा मंत्री

शान्तिवन-आबू रोड(राज.)। ब्रह्माकुमारीज़ के मुख्यालय शान्तिवन में शिक्षा प्रभाग द्वारा आयोजित शिक्षकों के महासम्मेलन के शुभारंभ के पहले पहलगाम में हुए आंतकी हमलों में दिवंगत लोगों की आत्मा की शान्ति के लिए दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

'समग्र कल्याण के लिए शिक्षा' विषय पर आयोजित कार्यक्रम में केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि भारत एक दिन आध्यात्मिक आधार पर विश्व की महाशक्ति बनेगा। भारत की नई शिक्षा नीति 2020 में लागू की गई लेकिन ब्रह्माकुमारीज़ ने 88 साल पहले मूल्य शिक्षा देने के लिए पहल शुरू कर दी थी। संस्थान ने शिक्षा को अध्यात्म की पद्धति बनाई। फिज़िक्स, कैमिस्ट्री, हिस्ट्री पढ़ने से मनुष्यों की दक्षता बढ़ती है, लेकिन मनुष्य तैयार नहीं होता है। श्रेष्ठ मनुष्य बनने के लिए शिक्षा के साथ आध्यात्मिक-मूल्य शिक्षा भी ज़रूरी है। जो समाज की मूलभूत शिक्षा है वो ब्रह्माकुमार भाई-बहनें आठ दशकों से प्रैक्टिस कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि पाश्चात्य यदि जीवन को पटरी पर रखता तो शायद आज विश्व का पर्यावरण इतना खराब नहीं होता। भारत के सामान्य लोगों और जीवन में आध्यात्मिकता भरी पड़ी है। बता दें कि सम्मेलन में भाग लेने के लिए देशभर से हज़ारों से अधिक शिक्षाविद पहुंचे हैं।

लोगों का जीवन मूल्यों से जुड़ा हो

उन्होंने कहा कि जब भारत आज़ादी की शताब्दी मना रहा होगा, वहीं ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान लोगों को शिक्षा के माध्यम से नया दिग्दर्शन देने के लिए समर्पित रूप से लगा होगा। ब्रह्माकुमारीज़ की वैल्यू एजुकेशन के

प्रति प्रतिबद्धता स्पष्ट रूप से झलकती है। आज हम शिक्षा प्रभाग की नई इनीशिएटिव की शुरूआत कर रहे हैं जो आज के समय के लिए बहुत ज़रूरी है। 'लीप प्रोग्राम' का उद्देश्य ऐसे व्यक्तियों का निर्माण करना है जिनका जीवन मूल्यों से जुड़ा हो।

संगठन ने 1937 में आध्यात्मिक शिक्षा की रखी नींव

केन्द्रीय शिक्षा मंत्री प्रधान ने कहा कि 1937 के उस दौर में अखंड भारत देश का एक तबका आज़ादी की लड़ाई में लगा था वहीं पूज्य ब्रह्माबाबा ने सपना देखा कि यदि हमारा देश आज़ाद होगा तो उसका क्या भविष्य होगा। देश आज़ाद हो जाने से स्वराज मिल सकता है, स्वराज्य नहीं आ जाएगा। इसलिए उन्होंने लोगों को आध्यात्मिक रूप से सशक्त बनाने के लिए ब्रह्माकुमारीज़ विश्व विद्यालय की नींव रखी।

माउंट आबू आत्मचिंतन की भूमि

प्रधान ने कहा कि मैं पिछले 25 सालों से ब्रह्माकुमारीज़ को जानता हूँ। मनुष्य लोभ, मोह, अहंकार में फँसा रहता है लेकिन उसी मनुष्य को देवता बनाने का एक माध्यम चाहिए जो यह संगठन कर रहा है। आज मैं उनकी तपस्या के प्रति नमन करता हूँ। माउंट आबू सदियों से आत्म-चिन्तन और आध्यात्मिक शिक्षा का पावन स्थान रहा है। यहाँ ऋषि-मुनि और साधकों ने गहराई से साधना करके सिद्धी प्राप्त की है। इस दौरान शिक्षा मंत्री ने पूर्व मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी रतनमोहिनी दादी को पुष्पांजलि अर्पित कर उनके मानवता के कार्यों को याद किया। प्रभाग की उपाध्यक्षा राजयोगिनी ब्र.कु. शीलू दीदी, कार्यकारी सदस्या ब्र.कु. सुप्रिया ने भी सम्बोधित किया। मंच का कुशल संचालन राष्ट्रीय संयोजिका ब्र.कु. सुमन बहन ने किया।

इन्होंने भी व्यक्त किए अपने विचार...

- अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी ब्र.कु. जयंती दीदी ने कहा कि राजयोग शिक्षा को अपनाकर आज लाखों लोगों का जीवन पूरी तरह बदल गया है। राजयोग के अभ्यास से मन शक्तिशाली और सशक्त बन जाता है।
- अतिरिक्त महासिचव डॉ. ब्र.कु. मृत्युंजय ने कहा कि शिक्षा ही वह माध्यम है जिससे समाज और देश में बदलाव आएगा।
- जालोर-सिरोही सांसद लुम्बाराम चौधरी ने कहा कि मैं लोकसभा क्षेत्र की समस्त जनता जर्नादन की ओर से आप सभी शिक्षाविदों का सम्मान-स्वागत करता हूँ।
- उदयपुर के महाराणा प्रताप कृषि विश्वविद्यालय एवं प्रौद्योगिकी कुलपति डॉ. अजीत कुमार,कर्नाटक ने कहा कि अध्यात्म से ही व्यक्ति का संपूर्ण विकास होता है। आज यह सभी के लिए बहुत ज़रूरी है।
- केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय,दिल्ली के कुलपति श्रीनिवास वाराखेड़ी ने कहा कि मूल्य शिक्षा के बिना भौतिक शिक्षा अधूरी है।
- दिल्ली टेक्नोलॉजी यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर प्रो. सुरेश कुमार ने युवा पीढ़ी में अनुशासन और देशभक्ति की भावना पर ज़ोर दिया।
- पंडित दीनदयाल उपाध्याय शेखावाटी यूनिवर्सिटी सीकर के वाइस चांसलर प्रो. डॉ. अनिल कुमार राय ने कहा कि केवल कम्प्यूटर शिक्षा से चरित्रवान संस्कारों का निर्माण नहीं हो सकता।
- गुरुग्राम यूनिवर्सिटी की डॉ. अमरजीत कौर ने शिक्षकों से दायित्वों के प्रति निष्ठावान रहने का आह्वान किया।

आत्मा का संबंध परमात्मा से जोड़ना ही योग

रायपुर-छ.ग.। योग-आयोग के नवनियुक्त अध्यक्ष रूप नारायण सिन्हा के शपथ ग्रहण समारोह में राज्य के अनेक प्रतिष्ठित आध्यात्मिक संगठनों के साथ प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के साधकों ने भी बड़ी संख्या में हिस्सा लिया। समारोह में मुख्यमंत्री के साथ-साथ महाराष्ट्र के पूर्व राज्यपाल रमेश बैस, महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े, युवा खेलकूद और राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा सहित अनेक विधायक, संत महात्मा व सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित थे। इस अवसर पर जीवन में ब्र.कु. सविता,रायपुर ने बतलाया कि योग शब्द का अर्थ होता

है जोड़ना। अध्यात्म के सन्दर्भ में आत्मा का सम्बन्ध परमात्मा से जोड़ना ही सच्चा योग है। शरीर को स्वस्थ रखने के लिए आसन या प्राणायाम ज़रूरी हो सकते हैं लेकिन काम, क्रोध, लोभ, मोह आदि विकारों पर जीत पाने और मन को तनाव मुक्त रखने के लिए राजयोग मेडिटेशन के अभ्यास की आवश्यकता है। उन्होंने आगे कहा कि जैसे बैटरी को चार्ज करने के लिए पॉवर हाउस से सम्बन्ध जोड़ने की आवश्यकता होती है। ठीक वैसे ही आत्मा में शक्ति भरने के लिए उसका सम्बन्ध परमात्मा के साथ जोड़ने की ज़रूरत होती है। राजयोग हमें सकारात्मक सोच बनाने में मदद करता है।

झोटवाड़ा में आध्यात्मिकता की नई सुबह- ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेन्द्र का शुभारंभ

झोटवाड़ा-जयपुर(राज.)। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा झोटवाड़ा स्थित नवनिर्मित सेवाभवन का अत्यंत भव्य और दिव्य उद्घाटन समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर समाज के विभिन्न क्षेत्रों से जुड़ी विशिष्ट हस्तियाँ उपस्थित रहीं, जिन्होंने कार्यक्रम की गरिमा को और भी बढ़ा दिया। कार्यक्रम की शुरूआत अतिथियों के भव्य स्वागत एवं दीप प्रज्वलन से की गई। राव राजेन्द्र सिंह,सांसद,जयपुर ग्रामीण ने अपनी शुभकामनाएं देते हुए कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ संस्था ईश्वर के शुभ विचार को चरितार्थ करने का दिव्य कार्य कर रही है। ब्रह्माकुमारीज़ की संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी ब्र.कु. सुदेश दीदी ने अपने आशीर्वचन देते हुए कहा कि 'प्रभु मन-भावन भवन' परमात्मा द्वारा सभी को दी गई अमूल्य सौगात है जो ईश्वरीय सौगात है, जो ईश्वरीय संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का माध्यम बनेगा। इस समय सर्व आत्माओं को सद्गति देने वाले निराकार परमपिता परमात्मा सभी को जीवनमुक्त बनाने के लिए इस धरा पर अवतरित हुए हैं। ब्रह्माकुमारीज़ के अतिरिक्त मुख्य

सचिव एवं मल्टीमीडिया प्रभाग अध्यक्ष राजयोगी ब्र.कु. करुणा ने अपने मन के उद्गार व्यक्त करते हुए

कहा कि परमात्मा ज्योति बिन्दु स्वरूप है जो हम सभी आत्माओं का पिता है, राजयोग द्वारा हम उससे जुड़कर अपने जीवन को देवतुल्य बना सकते हैं। प्रो. डॉ. अल्पना कटेजा,कुलपति,राजस्थान विश्वविद्यालय ने कहा कि इच्छाओं से जीवन में निराशाओं का कोलाहल बढ़ता जा रहा है जिसे ओमशान्ति के मंत्र से हल कर सकते हैं। रत्ना कुमारी,संस्थापक,रानी रत्ना कुमारी फाउंडेशन ने कहा कि राजयोग को जन-जन तक पहुँचाने का दिव्य कर्त्तव्य ब्रह्माकुमारी बहनें वर्तमान में कर रही हैं। जिनका पवित्र जीवन एवं समर्पणता सभी के लिए प्रेरणादायी है। राजयोगिनी ब्र.कु. मनोरमा दीदी,आध्यात्मिक प्रभाग प्रमुख ने लयबद्ध संचालन किया। ब्रह्माकुमारीज़ जयपुर सबज़ोन प्रभारी राजयोगिनी ब्र.कु. सुषमा दीदी ने भी अपने प्रेरणादायी विचार रखे। कार्यक्रम में हज़ारों लोगों ने मेडिटेशन भी किया।

RNI NO RAJHIN/2000/00721, POSTAL REGD. RJ/SIROHI/9623/24-26, Posting at Shantivan-307510 (Abu Road)
Licensed to post without prepayment RJ/WR/WPP/003/2024-26, Posting on 12th TO 14th and 22nd TO 24th each month, published on 12th May, 2025
स्वामी - आर.ई.आर.एफ, प्रकाशक, सम्पादक एवं मुद्रक- गंगाधर नरसिंघानी द्वारा कैपिटल ऑफसेट, L 801-I, Sector-28, GIDC Gandhinagar(Guj.) से मुद्रित एवं ओमशान्ति मीडिया, ब्रह्माकुमारीज़,शान्तिवन-राज. से प्रकाशित।
कार्यालय - ओमशान्ति मीडिया
ब्रह्माकुमारीज़, शांतिवन,- 307510
See Latest News
www.omshantimedia.org